



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—जण-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 406]

नई विल्सनी, मंगलवार, अगस्त 1, 1989/श्रावण 10, 1911

No. 406]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 1, 1989/SRAVANA 10, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह संस्थान के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचनाएँ

नई विल्सनी, 1 अगस्त, 1989

सं. 216/89-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 735(प्र).—क्रम्भागीय सरकार, सीमाशुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उन्नामा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करते हुए, अपना यह समावान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क ट्रिक प्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली प्रत्युष्मी के शीर्ष सं. 85.24 के अधीन आने वाले अभिलिखित चुम्बकीय टेपों की, जब उनका भारत में विश्वविद्यालय प्रत्युषान आयोग द्वारा कंट्रूटरों में उपयोग के लिए आवात किया जाए, तो—

(i) सीमाशुल्क प्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली प्रत्युष्मी के अधीन उन पर उद्प्रहणीय संपूर्ण उत्पाद-शुल्क से; और

(ii) उक्त सीमाशुल्क ट्रिक प्रधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्प्रहणीय संपूर्ण भ्रतिरिक्त शुल्क से,

निम्नलिखित घटों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात्

(i) आयातकर्ता निहानी के समय और स्थान पर ऐसे प्रधिकारी से जो विभाग मंत्रालय, भारत सरकार में उत्तर सचिव की पक्षित से नीचे का न हो, इस प्राण्य का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि ऐसी चुम्बकीय टेपों को वैशानिक सामग्री से कंट्रूटरी में उपयोग के लिए अभिलिखित किया गया है और वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सम्पूर्ण रूप से अनुमोदित संस्थाओं या अनुसंधान केन्द्रों द्वारा अपेक्षित हैं;

(ii) प्रायातकर्ता निहानी के समय और स्थान पर सीमाशुल्क सहायक कलन्कटर को इस प्राण्य का उत्तरवाच देता है कि ऐसी अभिलिखित चुम्बकीय टेपों का किसी भ्रम्य प्रयोजन के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा और ऐसी टेपों को किसी भ्रम्य सामग्री से परस्कालवर्ती अभिलिखित नहीं किया जाएगा; और

(iii) ऐसी अभिलिखित चुम्बकीय टेपों का आवात के पत्तन पर सीमाशुल्क कलन्कटर की पूर्ण अनुशा के बिना विक्रय नहीं किया जाएगा या उनसे विलग नहीं हुआ जाएगा।

[फा. सं. 463/102/88-सी. शु. V (टी.आर.यू)]

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
NOTIFICATIONS**

New Delhi, the 1st August, 1989

NO. 216/89-CUSTOMS

G.S.R. 735(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts recorded magnetic tapes falling under the Heading No. 85.24 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India by the University Grants Commission for use in computers, from,—

- (i) the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975); and
- (ii) the whole of the additional duty leviable thereon, under section 3 of the said Customs Tariff Act,

subject to the following conditions, namely :—

- (i) the importer, at the time and place of clearance, produces a certificate from an officer not below the rank of Deputy Secretary in the Ministry of Education, Government of India, to the effect that such magnetic tapes are recorded with educational or scientific material for use in computers and are required by Institutes or Research Centres duly approved by the University Grants Commission;
- (ii) the importer, at the time and place of clearance, gives an undertaking to the Assistant Collector of Customs to the effect that such recorded magnetic tapes shall not be used for any other purpose and such tapes shall not be subsequently recorded with any other material; and
- (iii) such recorded magnetic tapes shall not be sold or ported with, without the prior

permission of the Collector of Customs at the port of importation.

[F. No. 463/102/88-Cus. V(TRU)]

सं. 217/89-सीमाशुल्क

मा.का.सि. 736(अ).—केवल सरकार, वित्त प्रबिनियम, 1989 (1989 का 13) का शासा 35 को उत्तरारा (4) के माय पठिन सीमाशुल्क प्रविनियम, 1962 (1962 का 52) को घारा 25 को उत्तरारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना धू समाधान हो जाने पर कि लोक द्वित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग को प्रविसूचना संख्या 159/89-सीमाशुल्क तारीख 12 मई, 1989 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, प्रथमतः—

उक्त प्रविसूचना में, अनुसूची में, क्रम संख्या 267 और उससे संबंधित प्रविटि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्याएँ और प्रविटियाँ प्रक्षेपणापूर्वक जाएंगी, प्रथमतः—

“268 संख्या 216/89-सीमाशुल्क, तारीख 1 प्रगस्त, 1989
269 संख्या 219/89-सीमाशुल्क, तारीख 1 प्रगस्त, 1989”

[का. सं. 463/102/88-सीमाशुल्क V (टॉमार.पू.)]
प्रार. के. महाजन, प्रधर सचिव

NO. 217/89-CUSTOMS

G.S.R. 736(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 35 of the Finance Act, 1989 (13 of 1989), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 159/89-Customs, dated the 12th May, 1989, namely :—

In the Schedule to the said notification, after serial number 267 and the entry relating thereto, the following serial numbers and entries shall be inserted, namely :—

- “268. No. 216/89-Customs, dated the 1st August, 1989.
- 269. No. 219/89-Customs, dated the 1st August, 1989.”

[F. No. 463/102/88-Cus. V(TRU)]

R. K. MAHAJAN, Dy. Secy.